द आसेंडर
पत्रिका
इलेक्ट्रॉनिकी संस्करण
अप्रैल - मई 2020

पिछले कुछ महीने हम सभी के लिए अभूतपूर्व समय रहा है , क्योंकि सारी मानव जाति दुनिया भर में COVID-19 महामारी के विभिन्न चरणों से लड़ने के लिए खुद को तैयार कर रही है। हम लॉकडाउन के कारण "द **एसेंडर** " के अंतिम अंक को बाहर लाने में असमर्थ थे और अब हम अपने पाठकों की सुविधा और कम से कम संपर्क को ध्यान में रखते हुए एक मुद्रित समाचार पत्र के बजाय इलेक्ट्रॉनिक रूप में इस महीने एक संयुक्त अंक प्रस्तुत करते हैं।

इस बीच हमारे जिला और राज्य स्तर के अधिकारीओं ने, जिला और राज्य प्रशासन को इस कठिन और परीक्षा की घड़ी में, कभी-कभी खुद को खतरे में डालते हुए भी, मदद करने में व्यस्त रहें । कई एप्लिकेशन को विकसित किया गया है और जमीनी स्तर पर कम समय सीमा में प्रशिक्षण भी दिया गया है । मैं विशेष रूप से एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग टीम के योगदान की सराहना करना चाहूंगा जिन्होंने कई वीआईपी और वीवीआईपी वीसी को सहायक कर्मचारियों के साथ DIOs, ADIOs के सहयोग से अल्पावधि सूचना और बेवक्त में लगातार और त्रुटिहीन रूप से संचालित किया।

- श्रीमती प्रतिभा सिंह

(डी.डी.जि. तथा एस.आई.ओ., एन.आई.सि. ओड़ीशा)

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
ओडिशा राज्य केंद्र
यूनिट - IV, सचिवालय मार्ग,
भुवनेश्वर - 751001
दूरभाष: +91 - 674 - 25408438
www.nic.in www.gov.in
ई-मेल: sio-ori@nic.in

"Look up at the stars and not down at your feet. Try to make sense of what you see, and wonder about what makes the universe exist. Be curious."

- Stephen Hawking

सुर्खियां

कृषि भवन में बागवानी उत्पादन विपणन के लिए वेब पोर्टल का उद्घाटन

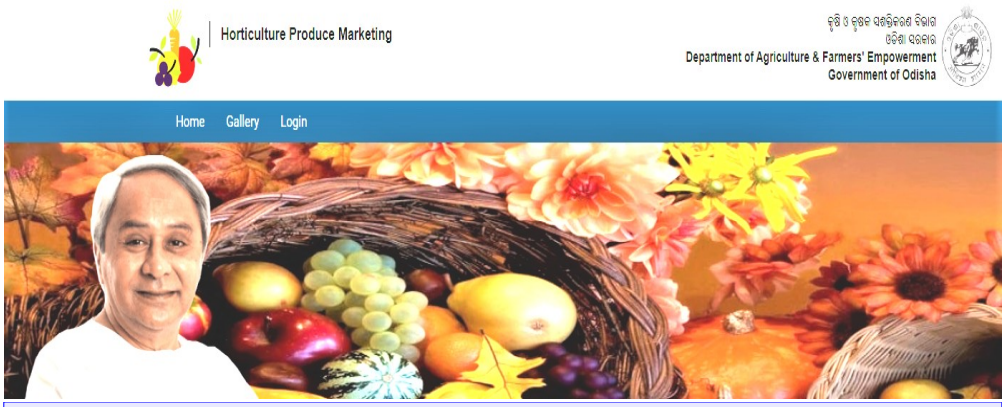

बागवानी उत्पादन विपणन, ओडिशा, के लिए वेब पोर्टल का स्क्रीनशॉट

ओडिशा के कृषि और किसान सशक्तीकरण के माननीय मंत्री डॉ. अरुण कुमार साहू ने 21 अप्रैल, 2020 को ओडिशा के कृषि भवन में बागवानी उत्पादन विपणन के वेब पोर्टल (https://odihortmarketing.nic.in) का उद्घाटन किया। COVID-19 महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के परिणामस्वरूप APMC (कृषि उपज बाजार समिति) मंडियों को बंद कर दिया गया, जिससे किसानों ने अपनी फसल काट ली। फल, सब्जी और फूलों के उत्पादकों को उनके स्टॉकयार्ड्स में उपज के ढेर के कारण भारी नुकसान हुआ। मंडियों के बंद होने के कारण, व्यापारियों को राज्य भर में किसानों के विभिन्न स्थानों पर उपज की उपलब्धता का पता नहीं चल पा रहा था। संकट जैसी स्थिति को दूर करने के लिए, कृषि और एफ ई विभाग ने इस वेब पोर्टल का अनावरण किया, जिसके माध्यम से बागवानी अधिकारी किसानों के उत्पादन और व्यापारियों की सरप्लस उपलब्ध अधिशेष मात्रा में प्रवेश की अनुमति देते हैं और व्यापारी (In & Out राज्य) थोक खरीद के लिए सीधे सरकारी अधिकारी से संपर्क करते हैं। यह पोर्टल किसानों, व्यापारियों और सरकारी अधिकारियों के बीच त्रिकोणीय भागीदारी को सक्षम बनाता है जो बागवानी उत्पादन की आपूर्ति श्रृंखला बनाता है। उच्च स्तर पर सभी उत्पादों के लिए ' एक नज़र के लिए' एक डैशबोर्ड को शामिल किया गया है।

NIC ने ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन के लिए DAMPS का विकास किया

एनआईसी, भुवनेश्वर ने ओडिशा सरकार के विशेष राहत आयुक्त कार्यालय के लिए एक वर्कफ़्लो आधारित "आपदा सहायता निगरानी और भुगतान प्रणाली (डीएएमपीएस)" (http://dampsodisha.nic.in) का डिज़ाइन और विकास किया है। प्रणाली का मुख्य उद्देश्य ओडिशा के राजस्व मंडल के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण हताहत / घायल / लापता व्यक्ति पर डेटा एकत्र करना है और प्रारंभिक सूचना रिपोर्ट (पीआईआर) उच्च अधिकारियों (तहसीलदारों / उप-कलेक्टरों / कलेक्टरों) विशेष राहत आयुक्त) को सौंपना है। प्रणाली में पूछताछ पर जानकारी का विवरण, परिजनों की जानकारी, मंजूरी के लिए पुलिस सत्यापन करवाना और संसाधित किया जाता है। अनुग्रह सहायता का संवितरण पीड़ितों या उनके NOKs को DBT के माध्यम से प्रदान किया जाता है। मैदानी स्तर के पदाधिकारियों के लिए, विशेष रूप से राजस्व निरीक्षकों के लिए आपदा पीड़ित प्रभावित व्यक्तियों पर प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। ओड़ीशा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव और विशेष राहत आयुक्त, श्री प्रदीप कुमार जेना, IAS, के सक्रिय मार्गदर्शन में राज्य में वेब आधारित सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप दोनों को सफलतापूर्वक रोलआउट किया गया है। COVID -19 के बीच लॉकडाउन की अवधि के दौरान संवेदीकरण तथा कई चरण में वीसी के माध्यम से प्रशिक्षण सत्रों किया गया । इसके बाद, जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एनआईसी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारियों द्वारा आयोजित किए गए ।

एसआईओ, एनआईसी, ओडिशा के साथ एनआईसी अधिकारियों की टीम ने DAMPS के कार्यान्वयन पर वीसी से चर्चा की

राष्ट्र के लॉकडाउन के दौरान एनआईसी की वीसी सेवाएं

भारत के माननीय राष्ट्रपति एनआईसी वीसी सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं

भारत के माननीय प्रधान मंत्री एनआईसी वीसी से सभी मुख्यमंत्रियों से मिलते हैं

भारत में COVID-19 महामारी के निरंतर प्रसार के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन अवधि के दौरान, NIC की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली का भारत के माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधान मंत्री, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के अन्य मंत्रियों और संघ के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा देश में कोरोना वायरस के प्रसार का मुकाबला करने के लिए चर्चा, निर्णय लेने और रणनीति तैयार करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया गया है |

एनआईसी ने अपने मजबूत और स्थिर राष्ट्रव्यापी डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से प्रतिभागियों के बीच सामाजिक दूरी बनाए रखने और सभी सुरक्षात्मक उपायों का पालन के साथ साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

एनआईसी के वीसी आंकड़ों से पता चलता है कि अकेले अप्रैल 2020 में 64 वीसी सत्र जिसमें 583 घंटे की दूरस्थ बातचीत हुई है।

ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री ने COVID 19 मुद्दों पर माननीय केंद्रीय मंत्रियों के साथ चर्चा की

COVID 19CC : कोरोना वायरस का पता लगाने का एक तेज़ तरीका

विश्वव्यापी महामारी के इस परीक्षण समय के दौरान, COVID-19 नमूने से संबंधित सही आंकड़ों का समय पर संग्रह और प्रसारण बहुत महत्वपूर्ण है। यह डेटा भारत सरकार द्वारा एकत्रित किया जा रहा है, जिसकी मदद से पूरे देश में फैले अधिकृत संग्रहण केंद्र की मदद ली जा सकती है। जिला प्राधिकरणों और राज्य स्वास्थ्य मिशन निदेशकों द्वारा परीक्षण केंद्रों और परीक्षण व्यक्तियों को पंजीकृत और सूचीबद्ध करने के लिए एनआईसी द्वारा विकसित और तैनात एक भूमिका आधारित, सुरक्षित पोर्टल है : https://covid19cc.nic.in। सैंपल डेटा, अधिकृत कलेक्टरों द्वारा एकत्र किया जाता है, जिसे मोबाइल ऐप आरटी-पीसीआर के माध्यम से एनआईसी द्वारा विकसित आईसीएमआर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में भेजा जाता है। परीक्षण किए जाने के बाद, प्रयोगशालाएं ICMR पोर्टल यानि https://covid19.nhp.gov.in पर COVID 19 नमूना परीक्षण परिणाम अपलोड करेंगी।

COVID19 कलेक्शन सेंटर के लिए वेब एप्लिकेशन का स्क्रीनशॉट

आरोग्य सेतु: कोरोना के खिलाफ आपका व्यक्तिगत बॉडीगार्ड

भारत की मुख्य संपर्क सुराग तकनीक आरोग्य सेतु मोबाइलएप का लॉन्च होने के सिर्फ 13 दिनों के भीतर 50 मिलियन डाउनलोड तक पहुंचने वाला दुनिया का सबसे तेज ऐप है। यह ऐप ब्लूटूथ और जीपीएस प्रौद्योगिकियों के माध्यम से अन्य आरोग्य सेतु उपयोगकर्ताओं का पता लगाकर उपयोगकर्ताओं को कोरोना का विवरण प्रदान करता है। यह उन सभी स्थानों के जीपीएस लॉग को भी बनाए रखता है जहां डिवाइस को ट्रैवर्स किया गया है। जब तक कोई उपयोगकर्ता COVID-19 से संक्रमित नहीं होता तब तक ये रिकॉर्ड फोन पर संग्रहीत किए जाते हैं। ऐसे मामलों में, रिकॉर्ड सर्वर पर अपलोड किए जाते हैं। ऐप 11 भाषाओं में उपलब्ध है और 10 किमी के दायरे में होने वाले संभावित COVID सकारात्मक मामलों के बारे में बताता है। आरोग्य सेतु आईवीआरएस के टोल फ्री नंबर "1921" पर कॉल कर के लिए नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के लिए लागू किया गया है। कॉल डिस्कनेक्ट हो जाता है और नागरिक कॉल बैक प्राप्त करता है। स्व-मूल्यांकन प्रतिक्रियाओं के आधार पर, नागरिकों को स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में एसएमएस मिलते हैं। इसके अलावा, वह समय-समय पर अलर्ट प्राप्त करेगा। इस प्रकार, 14 अप्रैल, 2020 को अपने संबोधन में माननीय प्रधान मंत्री ने सभी भारतीयों से देश में कोरोना वायरस से निपटने के लिए ऐप का उपयोग करने का आग्रह किया है। आखिरकार, आरोग्य सेतु के आंकड़ों से पता चलता है कि 25 मई, 2020 तक, ऐप को 11.48 करोड़ स्मार्टफोन में डाउनलोड किया गया है और संक्रमण के संभावित जोखिम के बारे में सतर्क किया जा रहा है।

टूनीक